PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

विशेषण

- विशेषण एक विकारी शब्द है।
- संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता [गुण, दोष, संख्या, परिमाण आदि] बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।

  जैसे-

  लम्बा, मोटा, काला, चार, दस आदि।
- ध्यान दें- संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं, जबकि जिस संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतायी जाती है उसे विशेष्य कहते हैं

  जैसे-

  सीता सुंदर है में 'सीता' विशेष्य एवं 'सुंदर' विशेषण है।
- जो शब्द विशेषण की विशेषता बताते हैं, उन्हें प्रविशेषण कहते हैं।

  जैसे-

  इस पर्वतमाला में बहुत ऊँचे-ऊँचे पहाड़ हैं। इस वाक्य में 'बहुत' प्रविशेषण है, क्योंकि यह पहाड़ के लिए प्रयुक्त विशेषण शब्द 'ऊँचे-ऊँचे' की विशेषता बताने का कार्य कर रहा है। विशेषण शब्द विशेष्य से पूर्व (पहले) भी आते हैं और बाद में भी-

पूर्व में प्रयुक्त विशेषण शब्दों के उदाहरण-

- थोड़ा-सा पानी डालो।
- पच्चीस रुपये की पेन है।
- पहला स्थान मेरा है।
- एक मीटर कपड़ा दो।

उपर्युक्त वाक्य में 'थोड़ा-सा', 'पच्चीस', 'पहला', 'एक मीटर' आदि विशेषण शब्द हैं।

बाद में प्रयुक्त विशेषण शब्दों के उदाहरण-

- यह रास्ता लंबा था।
- घोड़ा काला है।
- रामू मोटा है।

उपर्युक्त वाक्य में 'लंबा', 'काला' एवं 'मोटा' विशेषण शब्द हैं।

विशेषण के भेद- विशेषण के 4 भेद हैं।

1. गुणवाचक विशेषण।
2. संख्यावाचक विशेषण।
3. परिमाणवाचक विशेषण।
4. सार्वनामिक विशेषण/संकेतवाचक/निजवाचक विशेषण

PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

1. गुणवाचक विशेषण

- जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों के गुण, दोष, दशा आदि का बोध हो, उन्हें गुणवाचक विशेषण कहते हैं। विशेषण के सभी भेदों में गुणवाचक विशेषणों की संख्या सबसे अधिक होती है। जो इस प्रकार हैं-
- दिशा- पूर्वी, पश्चिमी, उत्तरी, दक्षिणी आदि।
- गुण- भला, बुरा, कड़वा, मीठा, खट्टा, दानी, चंचल, उचित, अनुचित, सीधा, धार्मिक, झूठा, दुष्ट आदि।
- दशा- मोटा, पतला, सूखा, गीला, भारी, गरीब, रोगी, स्वस्थ, गाढ़ा, घना आदि।
- रंग- काला, पीला, सफेद, चमकीला, धुंधला आदि।
- आकार- गोल, चौकोर, तिकोन, लंबा, चौड़ा, सुंदर, तिरछा, नुकीला आदि।
- काल- नया, पुराना, सनातन, भूत, भविष्य, वर्तमान, अगला, पिछला, प्राचीन, आगामी आदि।
- स्थान- भीतर, बाहर, अंदर, ऊपर, दाँया, बाँया, देशीय, पंजाबी, गुजराती, राजस्थानी, भारतीय, अमेरिकी, इलाहाबादी आदि।
- ध्यान दें- गुणवाचक विशेषणों में 'सा' प्रत्यय जोड़कर गुणों में हीनता का भाव लाया जाता है अर्थात् उसके गुणों में कमी की जाती है। जैसे- मोटा-सा, पतला-सा, ऊँचा-सा, बड़ा-सा, छोटी-सी आदि।

  1. बगीचे में सुंदर फूल हैं।
  2. मोटा आदमी आ रहा है।
  3. छोटी-सी ट्रेन खड़ी है।

  इन वाक्यों में सुंदर, मोटा और छोटी-सी गुणवाचक विशेषण हैं।

2.संख्यावाचक विशेषण

- जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध हो [संख्या की जानकारी मिले] उसे संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। जैसे-चार घोड़े, दस हाथी, अनेक घोड़े आदि।
- इन वाक्यों में 'चार','दस' और 'अनेक' शब्द संख्यावाचक विशेषण हैं।

संख्यावाचक विशेषण भी 2 प्रकार के होते हैं।

1. निश्चित संख्यावाचक विशेषण- ये निश्चित संख्या का बोध कराते हैं- जैसे- एक, दस, पाँच आदि।
2. अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण- ये अनिश्चित संख्या का बोध कराते हैं।

जैसे- कई, अनेक, सब, बहुत आदि।

कुछ विद्वान संख्यावाचक विशेषण के 3 भेद मानते हैं

1.निश्चित संख्यावाचक विशेषण,

2. अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण,

YouTube - PAONE9090 Telegram - PAONE9090 Twitter - PAONE9090 WhatsApp – 90-2696-9090

3. परिमाणबोधक विशेषण।

1. निश्चित संख्यावाचक विशेषण- प्रयोग के आधार पर निश्चित संख्यावाचक विशेषण 5 प्रकार के होते हैं, जो कि निश्चित संख्या के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।

(i) गणनावाचक विशेषण।

(ii) क्रमवाचक विशेषण।

(iii) आवृत्तिवाचक विशेषण।

(iv) समुदायवाचक विशेषण।

(v) प्रत्येक बोधक विशेषण।

गणनावाचक विशेषणा- जो संख्यावाचक विशेषण पूर्णांक एवं अपूर्णांक के रूप में गिने जा सकें, गणनावाचक विशेषण कहलाते हैं। गणनावाचक विशेषण के भी 2 भेद होते हैं-

1. पूर्णांक बोधक, 2. अपूर्णांक बोधक

पूर्णांक बोधक विशेषण- जो गणनावाचक विशेषण पूर्णांक के रूप में हों, उन्हें पूर्णांक बोधक विशेषण कहते हैं। जैसे - एक, दो, चार, दस आदि।

1. पच्चीस रुपए दीजिए।

2. दो बैल आ रहे हैं।

3. दो लोग शतरंज खेल रहे हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में 'दो' और 'पच्चीस' पूर्णांक संख्या का बोध करा रहे हैं। अतः ये पूर्णांक बोधक विशेषण हैं।

अपूर्णांक बोधक विशेषण- जो गणनावाचक विशेषण पूर्णांक के रूप में नहीं होते उन्हें अपूर्णांक बोधक विशेषण कहते हैं।

जैसे- आधा, पौना, सवा, डेढ़, ढाई, चौथाई आदि।

1. आधा किलो चीनी।

2. सवा रुपये चाहिए।

3. ढाई रुपये की पेन।

क्रमवाचक विशेषण- जो संख्यावाचक विशेषण संख्या के क्रम को सूचित करते हैं, उन्हें क्रमवाचक विशेषण कहते हैं।

जैसे- पहला, दूसरा, तीसरा, चौथा आदि।

1. पहला लड़का यहाँ आए।

2. दूसरा लड़का कहाँ गया।

3. पंक्ति का तीसरा लड़का खड़ा हो जाए।

उपर्युक्त वाक्यों में पहला, दूसरा और तीसरा व्यक्ति के क्रम को दर्शा रहे हैं, इसीलिए यहाँ क्रमवाचक विशेषण है।

आवृत्तिवाचक विशेषण- जो संख्यावाचक विशेषण किसी संख्या की आवृत्ति को सूचित करे, उसे आवृत्तिवाचक विशेषण कहते हैं। जैसे- दूना, तिगुना, चौगुना, दोबारा, दुगना, दोहरा आदि।

1. मोहन तुमसे चौगुना काम करता है।
2. मैं उससे दूना मेहनत करुंगा।

समुदायवाचक/समूहवाचक विशेषण- वे संख्यावाचक विशेषण जो समूह या समुदाय का बोध कराते हैं, उन्हें समुदाय/समूहवाचक विशेषण कहते हैं। जैसे- दोनों, तीनों, चारों, पाँचों आदि। समूह या समुदाय का बोध करा रहे हैं।

1. दोनों पेड़ सूख गए।
2. तुम तीनों घूम
3. चारों ने भोजन कर लिया।

प्रत्येक बोधक विशेषण- जो संख्यावाचक विशेषण एक (अकेले का) का बोध कराता बोधक विशेषण कहते हैं। जैसे- हरेक (हर-एक), प्रत्येक, एक-एक आदि।

1. हरेक ने अपना काम पूरा कर लिया।
2. प्रत्येक को प्रसाद मिला।
3. एक-एक करके आओ।
4. हर-एक के घर में मोबाइल है।

अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण- जिस संख्यावाचक विशेषण से अनिश्चित संख्या (बहुत्व) का बोध हो, उसे अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। जैसे- अनेक, कई, सभी, बहुत, ढेर सारे, कुछ आदि।

1. दादी ने ढेर सारे खिलौने खरीदे।
2. कुछ बच्चे खेल रहे हैं।
3. कई दर्शकगण हैं।

इन वाक्यों में प्रयुक्त 'ढेर सारे', 'कुछ', 'कई' आदि शब्द अनिश्चित संख्या का बोध करा रहे हैं।

- नोट- निश्चित संख्यावाचक विशेषण में पूर्णांक बोधक विशेषण के पहले लगभग या करीब शब्द एवं बाद में ओं प्रत्यय लगाने से निश्चित संख्यावाचक विशेषण, अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण हो जाता है।

जैसे-

1. लगभग चालीस लोग थे।
2. करीब सौ लोगों ने खाना खाया।
3. सैकड़ों लोग मारे गए। [सैकड़ों में 'ओं' प्रत्यय लगा हुआ है।

- नोट- कभी-कभी वाक्य में दो पूर्णांक बोधक शब्द एक साथ आकर अनिश्चिय वाचक विशेषण बन जाते हैं।

जैसे-

1. दो-चार लोग चले आओ।
2. पचास-साठ लोग बचे हैं।
3. दो-चार घण्टे में काम पूरा हो जाएगा।

3. परिमाणवाचक/परिमाणबोधक विशेषण

- जिन विशेषण शब्दों से किसी वस्तु की मात्रा अथवा माप- तौल का बोध हो उसे परिमाणवाचक/परिमाण बोधक विशेषण कहते हैं। जैसे-
  1. मुझे चार किलो चीनी दो।
  2. मुझे बहुत सारा दूध चाहिए।
  3. मेरे सूट में साढ़े तीन मीटर कपड़ा लगा।

परिमाणवाचक विशेषण के भी 2 भेद होते हैं।

(i) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण

(ii) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण।

निश्चित परिमाणवाचक विशेषण- जिन विशेषण शब्दों से किसी वस्तु की निश्चित मात्रा का बोध हो, उसे निश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं। जैसे-

1. अभिषेक बाजार से चार किलो जलेबी लाया।
2. बाजार से एक तोला हींग लेते आना।
3. गाय ने चार लीटर दूध दिया।
4. मेरे सूट में चार मीटर कपड़ा लगा।
5. मेरे पास चार गज जमीन है।

अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण- जिन विशेषण शब्दों से किसी वस्तु की निश्चित मात्रा का बोध न हो, उसे अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं। जैसे-

1. गिलास में थोड़ा दूध है।
2. थोड़ा-सा दूध गरम कर दो।

- नोट- निश्चित परिमाणवाचक विशेषण के पहले लगभग या करीब एवं अंत में ओं' प्रत्यय लगाने से निश्चित परिमाणवाचक विशेषण, अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण में बदल जाता है।

जैसे-

1. मेरे पास लगभग चार लीटर दूध होगा।

PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

2. मेरे सूट में लगभग चार मीटर कपड़ा लगेगा।

3. मेरे पास करीब पचास किताबें हैं।

4. सैकड़ों लीटर दूध खराब हो गया। [सैकड़ों में 'ओं' प्रत्यय लगा है।

4.निजवाचक/संकेतवाचक/सार्वनामिक विशेषण

- पुरुष वाचक और निजवाचक सर्वनाम (आप, अपना, अपने आप आदि) शब्दों को छोड़कर जब किसी संज्ञा की विशेषता बताते है। संकेतवाचक/सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे-

1. वह गाय सुंदर है।

2. ये लड़के क्या कर रहे हैं।

3. ऐसा आदमी मैने कहीं नहीं देखा।

4. कोई व्यक्ति आया है।।

व्युत्पत्ति के आधार पर सार्वनामिक विशेषण के 2 भेद होते हैं- (i) मौलिक सार्वनामिक विशेषण,(ii) यौगिक सार्वनामिक विशेषण।

मौलिक सार्वनामिक विशेषण- जो सर्वनाम बिना रुपांतर के संज्ञा के पहले विशेषण के रूप में प्रयुक्त होता है, उसे मौलिक या मूल सार्वनामिक विशेषण कहते हैं। जैसे- यह, वह, कोई, कुछ आदि।

1. वह लड़का विद्यालय जा रहा है।

2. यह घर सुंदर है।

3. कोई लड़की खाना बना दे।

4. कुछ विद्यार्थी अनुपस्थित हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में वह, यह, कोई, कुछ मौलिक सार्वनामिक विशेषण हैं।

यौगिक सार्वनामिक विशेषण-जो सर्वनाम किसी प्रत्यय के योग से बनकर संज्ञा की विशेषता बताते हैं, वे यौगिक सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे- ऐसा, कैसा, जैसा, कितना, इतना, जितना आदि।

1. ऐसा आदमी मैंने नहीं देखा।

2. कैसा घर बना है।

3. कैसा सामान लाये हो।

4. कितने आदमी थे।

5. जैसा देश वैसा भेष।

उपर्युक्त वाक्यों में ऐसा, कैसा, कितने, जैसा यौगिक सार्वनामिक विशेषण हैं।

YouTube - PAONE9090 Telegram - PAONE9090 Twitter - PAONE9090 WhatsApp – 90-2696-9090

PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य

सर्वनाम एवं सार्वनामिक विशेषण में अंतर-

- जिन शब्दों का प्रयोग संज्ञा शब्दों के स्थान पर होता है, उसे सर्वनाम कहते हैं, जबकि जिन शब्दों का प्रयोग संज्ञा से पहले या बाद में विशेषण के रुप में होता है, उसे सार्वनामिक विशेषण कहते हैं।

जैसे-

1. वह सुंदर है।
2. वह गाय सुंदर है।

पहले वाक्य 'वह सुंदर है' में 'वह' शब्द सर्वनाम है क्योंकि वह शब्द किसी संज्ञा के स्थान पर आया है। जबकि दूसरे वाक्य 'वह गाय सुंदर है' में 'वह' शब्द सार्वनामिक विशेषण है, क्योंकि इस वाक्य में 'वह' शब्द संज्ञा (गाय) के आगे लगभग उसकी (गाय की) विशेषता बताने का कार्य कर रहा है।

परिमाणवाचक एवं संख्यावाचक विशेषता में अंतर-

- जिन वस्तुओं को एक, दो, तीन, चार अर्थात संख्या के रूप में नहीं गिना जा सकता किन्तु उन वस्तुओं की माप-तौल की जा सकती है तो ऐसे शब्दों को परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं।

जैसे- मेरे पास थोड़ा दूध है।

इस वाक्य में 'थोड़ा' शब्द मात्रा (माप-तौल) के रूप में प्रयुक्त किया किया गया है। इसीलिए यह परिमाणवाचक विशेषण है।

जिन वस्तुओं की गिनती की जा सके अर्थात् जिसे संख्या के रूप में [एक, दो, तीन, चार.....आदि) गिना जा सके। उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। जैसे- मेरे पास एक पेन है।

प्रविशेषण

- हिन्दी भाषा में कुछ शब्द ऐसे भी होते हैं, जो विशेषण की विशेषता बताने का कार्य करते हैं। ऐसे शब्द जो विशेषण की विशेषता बताते हैं, उन्हें ही प्रविशेषण कहते हैं।

जैसे-

1. अरविन्द बहुत तेज दौड़ता है।

प्रविशेषण विशेषण

विशेषण शब्दो की रचना -

- संज्ञा शब्दो से होती है -

जैसे -

बनारस से बनारसी

YouTube - PAONE9090 Telegram - PAONE9090 Twitter - PAONE9090 WhatsApp – 90-2696-9090

PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

कल्पना से काल्पनिक

- क्रिया शब्दो से होती है-

जैसे -

कहना से कथित

चलना से चालू

- अन्य शब्दो से

जैसे -

नमक से नमकीन

ग्राम से ग्रामीण

विशेषण की अवस्थाएँ (3 अवस्थाएँ)

1. मूलावस्था
2. उत्तरावस्था
3. उत्तमावस्था

1. मूलावस्था - जिसमें किसी संज्ञा या सर्वनाम की समान्य जनक स्थिति का बोध हो।

जैसे -

मयंक अच्छा लड़का है।

गीता ईमानदार है।

2. उत्तरावस्था - जिसमे दो संज्ञा या सर्वनाम शब्दो की तुलना की गयी हो।

जैसे -

प्रिया प्रीति से लम्बी है।

गीता बबीता से मोटी है।

वह मुझसे सुन्दर है।

3. उत्तमावस्था - जिसमें दो से अधिक संज्ञा या सर्वनाम शब्दो की तुलना करने के बाद, किसी एक को अच्छा या श्रेष्ठ बताया जाए।

जैसे -

मीरा सबसे अच्छी है।

राधा कक्षा मे श्रेष्ठत्तम छात्रा है।

- नोट -

मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
कठोर	कठोरतर	कठोरतम
बलवान	अधिक बलवान	सबसे अधिक बलवान
अच्छी	अधिक अच्छी	सबसे अच्छी

YouTube - PAONE9090 Telegram - PAONE9090 Twitter - PAONE9090 WhatsApp – 90-2696-9090